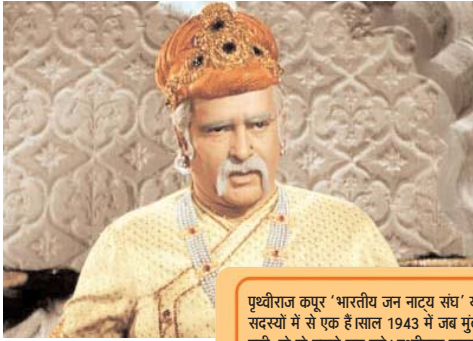


पृथ्वीराज कपूर

जिनकी इंसानियत और दरियादिली के कई किरसे हैं मक़बूल



■ ज़ाहिद खान
 लोच सिमगा में पृथ्वीराज उग्र बेमियाल शहस्रियत का नाम है, जिनकी शासनार अवकारी के साथ-साथ उनकी बेजोड़ इंसानियत और बेपनाह दरियादिली के भी कई किरसे मक़बूल हैं। तब उन्होंने जोमे में एक प्रकृति विधेय रूपको के तौर पर 'पृथ्वी विधेय' को कार्यागी को। इस 'रम्य का मोटो वा' कला दे के लिए। 'पृथ्वी विधेय' के माफ़त देश के छोटे-बड़े शहरों में उन्होंने कई हजार से ज्यादा नाटकका का मंचन किया। पृथ्वी विधेय में तक्रारीयत डेढ़ सौ लोग शामिल थे। तीन घंटे का जो खम हो के बाद, पृथ्वीराज कपूर नेट पर झोला

बहुत उलट-पुलट भाव और निर्माणक दौर था। अंग्रेज हुकूमत ने जब भारत पर अपनी गिरफ्त कमानार होती देखी, तो उनने देश के वो बड़े मुसदायों हिंदी और मुसलमानी को एकता को लोटे के लिए उनके बीच भावोदर बहाना शुरू कर दिया। ताकि ये दोनों कुर्मों आपस में मिश्री रहें और ये आपस से उन पर हुकूमत करने लें। 'पृथ्वी विधेय' के 'पृथ्वी विधेय' के जूरिएर एक वक्त तो उनके 'दीवार', 'तुलना', 'गंगा' और 'उग्र अकाल' का मंचन किया, ये राटुनीय एकता को बहाने वाले थे। उन्होंने अपने उन नाटकको के माध्यम से देशवासियों में जाड़ एकता का वाद प्रवृत्ता, वही अंग्रेज हुकूमत को चालबाजियों को तरफ़ भी इशारा किया।



पृथ्वीराज कपूर नेट पर झोला बहुत उलट-पुलट भाव और निर्माणक दौर था। अंग्रेज हुकूमत ने जब भारत पर अपनी गिरफ्त कमानार होती देखी, तो उनने देश के वो बड़े मुसदायों हिंदी और मुसलमानी को एकता को लोटे के लिए उनके बीच भावोदर बहाना शुरू कर दिया। ताकि ये दोनों कुर्मों आपस में मिश्री रहें और ये आपस से उन पर हुकूमत करने लें। 'पृथ्वी विधेय' के 'पृथ्वी विधेय' के जूरिएर एक वक्त तो उनके 'दीवार', 'तुलना', 'गंगा' और 'उग्र अकाल' का मंचन किया, ये राटुनीय एकता को बहाने वाले थे। उन्होंने अपने उन नाटकको के माध्यम से देशवासियों में जाड़ एकता का वाद प्रवृत्ता, वही अंग्रेज हुकूमत को चालबाजियों को तरफ़ भी इशारा किया।

पृथ्वीराज कपूर 'भारतीय जन नाट्य संघ' यानी इटा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। ताल 1943 में जब मुंबई में इटा की दागवेल इली, तो वो उससे जुड़ गये। पृथ्वीराज कपूर मुंबई इटा के ऑनरेरी प्रेसीडेंट भी रहे। बंगाल में जब भयानक अकाल पड़ा, तो इटा ने अकाल पीड़ितों की मदद के लिए, देश भर में नाटकको के कई शो किये। ताकि चंदा इकठ्ठा किया जा सके। रेवा रीय चौधरी जो इटा की एक अहम साथी थीं, उन्होंने अपनी आत्मकथा में मुंबई के उस वाकिआत का तपस्वीर से खीर दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये थे।

आसुवी के लिए उन्हें वेदार किया। पृथ्वीराज कपूर 'भारतीय जन नाट्य संघ' यानी इटा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। ताल 1943 में जब मुंबई में इटा की दागवेल इली, तो वो उससे जुड़ गये। पृथ्वीराज कपूर मुंबई इटा के ऑनरेरी प्रेसीडेंट भी रहे। बंगाल में जब भयानक अकाल पड़ा, तो इटा ने अकाल पीड़ितों की मदद के लिए, देश भर में नाटकको के कई शो किये। ताकि चंदा इकठ्ठा किया जा सके। रेवा रीय चौधरी जो इटा की एक अहम साथी थीं, उन्होंने अपनी आत्मकथा में मुंबई के उस वाकिआत का तपस्वीर से खीर दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये थे। '1944 में चर्चोइत लेखे स्टेशन के पास मारुटी पेंसटों के अलावे के विनाल ऑगम में मंच बनाकर इतने 'बांस बांस बंगला' का अरदान किया। पहले 'ई.ई.आपान' गीत के साथ डॉस, फिर हासन 'पुष्पोपायम का डॉस' दही बेचने वाला.. उसके बाद इतने उतका गीत गाना। 'सूई अलत हो गया गगन मत हो गया।' एक के बाद एक गीत और जूय चल रहे हैं। दरफेन दोषा में किस्मो दुनिया की बड़ी-बड़ी हरियाण बेटी हैं। पृथ्वीराज कपूर यानी बंगाली के साथ। जबरज, बनमाला, तो शांतराम और शोभना समर्थ

वगैरह। मंच पर गाते चल रहा है 'सुनो हिन्द के रहने वाले..'
 आनक



पृथ्वीराज कपूर मंच पर आकर माहक पर पेलान करते हैं कि, 'हमें बंगाल के अकाल पीड़ितों की मदद के लिए कुछ करना चाहिए।' फिर वे अपने रावे को गोपी हाथ में लेकर, दरकी के बीच पहुंच गए और अपने बालीतुइय के सभी साथियों के साथ बीस हजार रवती चंदा इकठ्ठा करके इसे दे गए। पृथ्वीराज कपूर के बारे में ऐसे कई किरसे मसार हैं, जब उन्होंने अपने सभी कलाकारों या जुनिर कलाकारों को आगे बढकर मदद की। अतकारा दुर्गा छोटे ने अपनी आत्मकथा में इस बात का तपस्वीर से खीर दिया है कि किस तरह से उन्होंने अपने मामूली कलाकारों को योग की अनुभवों के बीच, कंचे पर रखकर उसे अकाल पहुंचाया। यही नहीं थे उन तक अकाल में रहे, जब तक कि वह कर्मचारी सेलमदत नहीं हो गया। लेखक, गीतकार विवाचनर आदिल को जब यह बात कही, सड़क पर उड़ने वाली धूल को जब यह बात सुनी चली, तो उन्होंने यह रोजाना का मामूल बन लिया कि सुबह-सुबह सड़क पर जाने का डिङ्केशन करदते। ताकि धूल न उड़े। पृथ्वीराज कपूर की दरियादिली और इंसानियत के कई किरसों का बिङ्क शोकात आसानी में अपनी आत्मकथा 'यार की रतुजुर' में किया है। शौकत

पृथ्वीराज कपूर में दरिदाल के लिए जातो, तो उन्होंने शोटी बनी जमाना के लिए बाक्यायत एक आना का बंदोबस्त किया। ताकि लोकत आसनी दरिमल विना चिंतन के कर सके। पृथ्वीराज कपूर अपनी पूरी टोम के साथ हो खाना खाते और उन्हीं के साथ इकठ्ठा रहते। उन्हीं के साथ सोते। अपनी टोम के साथ उनका एक वा बर्बाव होता। अपने साथियों के दुखों और परेशानियों में वे हर दम उनके साथ खड़े रहते।

पृथ्वीराज कपूर का अर्थ और अर्थियों से भी बहुत लगाव था। जवा खीर पर वे जोरा मलीहाबादी को खसियत और शरारी के रोइयव हैं। अदीक, जर्नलिस्ट हमीद अदिव, जर्नलिस्ट एक किताब 'आसतयांयों वया-कया' में जोरा मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है, इस खाक में जोरा के बहने पृथ्वीराज कपूर का किटारा भी क्या बूबु यमाने आया है। ताल 1946 में हिंदी सिमगा से उठते रहे हमीद अबुवर लिखते हैं कि पृथ्वीराज कपूर ने लोचों को अरुतार से सोइ देते रहते थे कि 'आग आठे अतकार बनाना चाहते हो और भकालों में अदरगामी में कमल हासिल करने को आसु है, तो जोरा को पत्नी।' वो खुद भी सैर पर बकान-फुक्कनत जोरा के अरुतार गुनगुनाते रहते थे। 'मुंबई में कयाम के दीवान एक वकत ऐसा भी आया, जब जोरा मलीहाबादी को काफ़ी परेशानी थी। उन पर कुछ कर्जु था, जिसे बचसे वे वे काफ़ी परेशान थे। हमीद अबुवर ने

पृथ्वीराज कपूर को जोरा साहब की हालत-ए-ज़ार से आहद किया। बहरहाल आगे का किस्सा उन्हीं को बुजानी, खैर शावर-ए-इक़नाब के हालात सुनके पृथ्वीराज खामा नजीब हुआ। उन जमाने में वो गालिनन सबसे त्वादा मुआवजा लेने वाला अदरकार था। फ़िरमों के अलावा 'पृथ्वी विधेय' से उसे माकूल आरदनी होती थी। पृथ्वीराज ने जोरा साहब की कस्टम देसने के बाद उनसे परमया, आपसे दरखुवात है कि आज से आप अपने आप को 'पृथ्वी विधेय' से जुड़ा हुआ समझें। आप पर याद आकर बेदने की कोई पारबंदी नहीं है। न ही लिखने-लिखाने के सिमिलियने में हमारी कोई शर्त है। बय, आका जो जो चाहे और जब चाहे आप पृथ्वी विधेय के लिए नमय या नस जो मुनासिब समझे, लिखकर इसे नवाब दिया करें।' इसके बाद उसने एक लिखुफाना दोनां हाथों में पकड़कर जोरा साहब को पेश करते हुए कहा, 'ये पहले मदीने की एक एरवांस है। हम आपको बड़ी हैसियत के मुताबिक तो अदरगामी कर सकते, ताहम ये इक़रौ मुआवजा आपस हर माह मिलता रहता।' थोड़े देर वहां बेदने के बाद हम टैसी के जूरिएर, जोरा साहब हुए। जोरा साहब ने लिखुफाना मुझे थमाता हुआ कहा, 'देखो, किस्सा है ?' मैंने निगा, तो उसने पढ़ने सी र्नाए थे। तो उस जमाने में बड़ी कमान थी। जिन कर्मियों में मैं और साहिर मुलायिम, वही साहिर को उन दिनों मैंने लिखने को तख़्तबाब कर सी र्नाए और मुझे मकाला-नरसी की मुआवजा साढ़े तीन सौ रुपए मिलता था। बहरहाल, कुछ आसके के बाद जब हमीद अबुवर, जोरा मलीहाबादी से मिले तो उन्होंने उनसे पूछा, 'पृथ्वीराज से बर्बंद में उनका निवाह कैसा रहा ?' पृथ्वीराज के साथ उनका वक्त कैसा गुजरा ? उनका अपना वादा निवाहा भी या नहीं ? खीर-खीर।' 'मैं क्या खुब आरदनी हो थी।' जोरा साहब ने मुझे बताया। 'आज, हमको देस माह तक बख़ाब पढ़ने सी र्नाए हर माह भिनाबता रहा और इतने एक लम्पु मु उसको लिखकर नहीं दिया।

पुस्तक समीक्षा

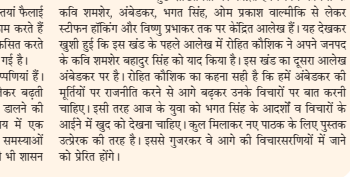
जगमग भारत के अंधेरो की शिनाख्त

■ कुमार मुकुल
 'जगमग अंधेरे में लोकतंत्र' की पुस्तक रोहित कोशिक के अग्रणी का संश्ल है। उन आलोचकों के संघटित अंश कई अंधकारों में प्रकाशित हुए हैं। अंधकारों में स्वयं सीमित होना से लोकतंत्र को इन आलोचकों को अपने पर समझी विकल्पों इतने समझे प्रकट हो जाता है। जैसा कि शीर्षक से जाहिर है पुस्तक में न्यूनतम समय के अंधेरो को शिनाख्त है। यह पारंपरिक अंधेरा नहीं है बल्कि नरानैतिक और बख़्खनशील रूप फैलाए जा रहे प्रचारी को चकाचौंध से घेर देती है। पुस्तक के तीन खंड हैं। पहला खंड गांधी पर केंद्रित आलोचकों का है। गांधी एक दौर के प्रतीक हैं। उन्हें ख्यति से ज्यादा एक दौर के रूप में देखने पर ही उन्हें कुछ हासिल हो सकता है। आजादी के आंदोलन का जो दौर रहा है गांधी उसके प्रतीक हैं। इस मने में गांधी, नेहरू, पटेल, सुभाष, अंबेडकर, सयदौ गांधी आदि को मिलाकर हो इस दौर को चर्चा हो सकती है। इन नेताओं के अंतराचिर्षियों को जानकर सचेत होना सही है पर उन्हें एक दूसरे के विलापन खड़ा करना आजादी के दौर की प्रकृति को कमजोर करना है। नेहरू, पटेल, अंबेडकर आदि को अलग-अलग दिशाओं में खींचकर एक कूट प्राम नहीं कर सकते। रोहित कोशिक अपने आलोचकों में इसी दृष्टि को जाहिर करने की कोशिश करते हैं। कुछ शिर्षकों द्वारा एक सोची समझी साक्षिया के तहत गांधी को लेकर अनेक साक्षियां फेरवाइ हैं। ये आलोचक एक तरफ उन साक्षियों को दूर करने का काम करते हैं तो दूसरी तरफ उन्हें गांधी को समझने को दृष्टि भी विकसित करते हैं। निश्चय रूप से इस दौर में गांधी को प्रगतिवाक और बड़ नहीं है।

यवस्था को नरहितकारी बख़्खनशील नहीं माना जा सकता। जैसे अधिवाचन पर अंकुश का सवाल है। किसी भी लोकवाचन में अधिवाचन के स्वतंत्रता उसका आरंभ होता है, जिसको उसे लोकतांत्रिक चरत देना होता है। इस स्वतंत्रता के निना लोकतांत्रिक देस होना के दावा बन दिखाना ही नहीं है। यह या जाति के नाम पर कसो मुसक भी तमान तरह की अधिवाचन को वाकिफ किया जाता रहा है। प्रकृतिवाक की गणित को बचाने का सवाल भी अधिवाचन को स्वतंत्रता के सवाल का ही हिस्सा है। इस खंड में और भी कई महत्वपूर्ण विचारों को उठया गया है जैसे फर्जा कितारों का धंधा, पैगिगि की बीमारी, लैंगिक भेदभाव आदि। किमान आंदोलन से प्रिरोपीय तरफ को बूढ़ करने के लिए विमल सरकार ने किसमों को ही पंजाब का किमान और उतर प्रदेश का किमान जैसे खेती में या धनी किमान और गांधी किमान के बीच बांटने की कोशिश कर, यह लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। संसद के 90 फीसद को संसद को बुरीपुनी है। यह सवाल क्यों नहीं उठाया कि कोई कानून किता कि प्रतिनिधियत किस तरह कर सकता है पला ? यह सवाल उठया गया कि पंजाब के किमानों का आन्दोलन वाले के समुदाय और बड़े किमानों का आन्दोलन है। पालुल, प्रिंका, मोदी, गोरे, अखिलेश, जगत आदि की राटुनीय का विलक्षण भी है इन आलोचकों में। इसके साथ समुद्रमन, किमान और प्रकृतिवाक के लिए दुरे वने उनसे एक वक्त की पहचान भी है।

पुस्तक का तीसरा भाग देस-दुनिया की कुछ शक्तिवाचन पर केंद्रित है। विमोचन करियों में लेखक रामेश्वर, अंबेडकर, भाग सिंह, ओम, प्रकाश वासोयिक से लेकर उदयन हाकिमों और विष्णु प्रभाकर एक पर केंद्रित आलोचकों हैं। यह देकरख खूबो हुई कि इस खंड के पहले आलोचकों में रोहित कोशिक ने अपने जगमग के कवि रामेश्वर बलदुर सिंह को बड़े किया है। इस खंड के दूसरे आलेख अंबेडकर पर हैं। रोहित कोशिक का कानना सही है कि अंबेडकर की मूर्तियां पर राटुनीय करने से आगे बढकर उनके विचारों पर बात करनी चाहिए। इसी तरह उनके देस को भारत सिंह के अंधेरो में आने के आदि में सार को देखना चाहिए। कूल मिलाकर ये पाठक के लिए पुस्तक उतरेकर को तरह है। इससे गुजरकर वे आगे को विचारसरतियों में जाने को प्रेरित होंगे।

पुस्तक : जगमग अंधेरे में लोकतंत्र
लेखक : रोहित कोशिक
प्रकाशक : सहज प्रकाशन, मुजफ्फरनगर
मूय : 250 रुपये



कहानी
वनफूल

अमला

एक-
अमला को आज देखने आनेवाले हैं। वह का मस है अरना। नाम सुने ही अमला के दिल में उरने किन्नी छियां ही न बना डाली। मुदर, सुलत, बलिह, मारे पर करते से कर्ती गयो मारा। कुली पते हुए- हुनर सुकरी। अमला का भाई बकग उसे देखने आया। वह उसे देखे देखकर सोचने लगी- 'मेरा देस।' लड़की देखा हो गया। लड़की पसन्द आयी। वह सुनकर अमला की खूबो का ठिकना न रहा। रात उसने शेरें अपने वन डाले। लेकिन

तीन-
अंत में लड़की पसन्द भी हुई- देवले पर सी बात बनी- बादी भी हुई। पन ही खसिखर बन्य। मोटे काले गीते-मटोड-इड-पुड-सकन्यु, नी.ए, पन, सखारी दरमर में नीकते करते हैं। अमला के साथ जब उनकी सुधुपुछी हुई, तब बात नहीं बनी, कैसी एक मना से अमला का साथ देकर पर गया। ऐसा जान, शिट रिटिरे फिक्त अमला मुपु हो गयी। अमला खुशी है। (अबुवर : जयदीप शेरार)

अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए

■ गोपालदास 'नीरज'

अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए। जिसमें ईसान को ईसान बनना जाए। जिसको बुखुय से माहक जात पदों का भी पर पूल दर किस्म का हर सिमन बिलताना जाए। जिसका बहती है यही गंग में डोसम में भी कोई बलतएर कर्ही जाके नहया जाए। प्यार का बून हुआ क्यों ये समझने के लिए

हर अंधेरे को उजाले में बुलगा जाए। मेरे दुख-दर्द का हलु पर हो आस कलु ऐसा मैं रूई धूका तो तुझसे भी न खाया जाए। सिमस दो होके भी दिल एक ही अपने देसे मेरे आँसु तैरी पलक में से उठया जाए। गीत उमन है, गुलबत चुप है, कुराई है दूखी ऐसे माहीले में 'नीरज' को बुलगा जाए।

देशसंगढ़

राजपुर, रविवार, 5 नवम्बर 2023 | वर्ष - 65 | अंक - 201 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 4.00 ₹.

प्रेस पंजीकरण - 6072/59 शुद्ध पंजीकरण - सोनी राजपुर संभार/19/2021-23

iclubo myDestini Khud ki Sun Le

THE ALL NEW DESTINI 125 XRC

एक्सचेंज वॉलेंट **₹3000*** | ड्राइव मेंट **मात्र ₹0*** | कम ब्याज दर **दर 6.50%*** | पोलेक्सिमी एडिशनल ई एम अर्द्ध ऑटोमैटिक टैक्नोलॉजी

पंचवर्षी कीमत **₹75222*** | ऑन-रोड कीमत **₹88799***

राजपुर: एलीसंगढ़ हीरो 9289922351, आररन 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414

भगवा रंग में मोदीमय रही दुर्ग की सभा

मोदी की उपलब्धियों, गारंटी व छत्र सरकार के घपलों-भ्रष्टाचार के आरोपों पर फोकस

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। विप आसमता चुनना को लेकर राजनीतिक दृष्टिकोण से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आसमता अलग एक किस्म की बड़ी समीची है। यह चुनौती आसमता

● पूरे दुर्ग संगम से उत्पन्न होगा

कम व भाजपा राजनीतिक सम्मेलन ज्यादा था जिसमें भाजपाई गमछा, कुर्ता, टोपी परने अधिकोस कार्यकर्ता नरन आ रहे थे। महिलाएं भी कमल छाप दुपट्टा, साड़ी व टोपी ललाई हूँ थी। पूरा स्टैंडिंग मजाना ध्वज से भरावया था। इस पूरे कार्यक्रम में प्रयाजित भीड़ कही थे नरन नहीं आई। आज की पूरी आसमता प्रधानमंत्री मोदी व ही केंद्रित रही। लोग उन्हें ही देखने व सुनने स्टैंडिंग पहुंचे थे।

आज के सम्मेलन के लिये भाजपा जिला के अध्यक्ष व परामर्शकारियों ने भीड़ एकत्रित करने कोई अतिरिक्त श्रम नहीं किया। पूरी भीड़ भाजपा के प्रवक्ताओं, मंडल परामर्शकारों का एक पड़ है। इसके भोजन इत्यादि की व्यवस्था भी इसी स्तर पर नजर आई। इसकी बजट से रिकॉर्ड स्टाइल के परिसर में कही जुटी पंख, टी का केंद्रित का कचरा नहीं फैला था। जो कार्यक्रमों अपने माया विचार के सेंटर इत्यादि लेकर आते थे वे भी ताली पैकेट के रंग औरत सड़क किनारे फेंक रहे थे। प्रवक्ताओं के संबोधन विचार वृद्धा पास दिया गया था। इसके बाद वरु वरु संख्या में लोग भाजपा द्वारा जारी पास में ही प्रवक्ता लिखकर



प्रवक्ताओं के लिये वेदने के बजाई बड़े जगह पर जगह बंद गये। ये प्रवक्ता मोदी जी के भाषण की प्रत्येक लाइन पर तालियां बजाते और नाराजगी कर पूरी कालियां को डिस्टर्ब करते रहे।

फिरोली कर संभाओं की तुलना में इस बार पाकिस्तान व्यवस्था का भी व्यवस्थित को गई थी मगर संभावित व पाकिस्तान थर से यह दुर्ग लाम्हा डेह से तीन किलोमीटर की हो जाने से दुर्ग, महिलाओं व बच्चों युवाओं को काफ़ी दुर्ग तक चलना पड़ा। इसमें लोगों को काफ़ी परेशानी उठानी पड़ी। भीड़ में पहले भ्रष्टाचार की पर्यवेक्षण में चुनने के लिये ही मशकत लोगों को करनी पड़ती थी इस बार वेशा दुर्ग नरन नहीं आया। कार्यकर्ताओं, आम रक्षकों, श्रमिकों प्रवक्ताओं, की भीड़ के अनुपचार पास जारी दिले गये थे। श्रमिकों रक्षकों के पहुंचने से वेदने की व्यवस्था भी आसान रही। भाषणा कार्यकर्ता, मानव श्रुतवा वनकर आने वाली को उनकी सोंटीं तक पहुंचाते थे। >>> **शेख पृष्ठ 9 पर**

तुलसी साहू कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल



कांग्रेस में लंबे समय तक विभिन्न पंथों पर रही तुलसी साहू ने आज भाजपा प्रवेश कर लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंच पर आने से पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण सावत पूरे जिला भाजपा अध्यक्ष विजेंद्र वामे ने उन्हें भाजपा को गमछा ओढ़कर साहू को के अग्रव किआर ही पार्टी जी भी आरंभ करनी उरकत लाल कर्णो। वे कर्णो कने पर भीरो उरकते हैं। >>> **सर्व वरु भी मिलने का है।**

दुर्ग ग्रामीण के कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज ने किया उतई क्षेत्र में सघन जनसंपर्क

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। दुर्ग ग्रामीण के कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू ने नगर पंचायत उतई विखग गाविस मॉडर में दर्शन पूजन कर आज के जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की। उन्होंने आइए जगह जनसंपर्क कर विगत 5 वर्षों के कार्यकाल में अपनी व सरकार की उपलब्धियों को चर्चा की।

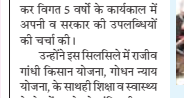
उन्होंने इस सिलसिले में राजीव गांधी किसान योजना, गोमन न्याय योजना, के साथही शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उदरगये गये क्रांतिकारी कदम की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भूरीस बनेल के नैतुव वाली सरकार में हर व्यक्ति को कोई न कोई कार्य मिला है।

उन्होंने साहू ने कांग्रेस द्वारा किए के अग्रव किआर ही पार्टी जी भी आरंभ करनी उरकत लाल कर्णो। वे कर्णो कने पर भीरो उरकते हैं। >>> **सर्व वरु भी मिलने का है।**



निःशुल्क महिलाओं के खातों में गैस सिलिंडर को 5 सी रुपये प्रति सिलिंडर खसोती जमा करने 2 सी युटिड बिजली मुफ्त देने का वादा ताम्रध्वज। उन्होंने अपने पांच वार्षिक कार्यकाल की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पांच साल में उतई नगर पंचायत में 35 करोड़ तक के कार्य किये गये

गिरिश को जीताने पत्नी कीर्ति देवांगन का जनसंपर्क अभियान



राजधानीबाबा। राजनंदगांव कांग्रेस के पथ में मतदान करने की विधासमस्या 75 के कांग्रेस प्रत्याशी गिरिश देवांगन को धर्मपत्नी कीर्ति देवांगन 03 नवम्बर 03 नवम्बर श्रम को कीर्ति देवांगन का आभिय स्वागत लखौली स्थिक कर्म माता युनकर किआर या। इस आभिय पर कर्म माता >>> **शेख पृष्ठ 9 पर**

लखौली के अजीत ताता युनकर मिलाती की अतीव स्वागत

कांग्रेस के पथ में मतदान करने की विधासमस्या 75 के कांग्रेस प्रत्याशी गिरिश देवांगन को धर्मपत्नी कीर्ति देवांगन 03 नवम्बर श्रम को कीर्ति देवांगन का आभिय स्वागत लखौली स्थिक कर्म माता युनकर किआर या। इस आभिय पर कर्म माता >>> **शेख पृष्ठ 9 पर**

अंग्रेजी-हिन्दी के शोधार्थियों एवं रिसर्च गाइड के लिए कार्यशाला आयोजित

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। विरेंद्र वादव वि.वि., दुर्ग से सम्बन्ध 15 शोधार्थियों में पीएचडी उर्ग चुनौती शोधार्थियों से उरकने शोधार्थियों को हेतु विश्वविद्यालय परिसर स्थित देवांगन का आयोजन किया गया। याने जगनराठी देते एम.वि. के अधिष्ठाता छत्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आम आयोजित कार्यशाला में लगभग 150 प्रक्रियागतों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में प्रोफेसर कुलकर्णी, डॉ. अरुणा पाल ने भी भाग लेने वाले शोधार्थियों को शोधप्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ.

पलटा ने शोध थीसिस जमा करने समय संदर्भ सूची, आकड़ों को प्रदर्शित करने वाली सारणी तथा ग्राफआदि के विवरण में विस्तार से समझाया।

डॉ. पलटा ने समस्त प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे ऐसे जो विषय को चयन करें जो समाज के हित में हैं। वि.वि. के अधिष्ठाता छत्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने अपने प्रवक्तृत्वपूर्ण में पावर स्लाइड के माध्यम से पीएचडी प्रवेश परीक्षा से लेकर पीएचडी थीसिस जमा होने के सम्पूर्ण प्रक्रिया को विस्तृत जानकारी दी। डॉ. श्रीवास्तव को बताया कि युवाओं द्वारा 7 नवंबर 2022 को प्रकाशित असाधारण राजपत्र के अनुसार

ऐसे भाषाप्रकार जिन्हें सेना निवृत्त के तीन वर्ष शेष हैं वे अपने मासिकदंड में नये शोधार्थियों को पंजीकृत नहीं करा सकते। 15 अप्रैल 2023 शोधार्थियों हेतु पीएचडी थीसिस जमा करने को अधिकतम अवधि 6 साल तथा न्यूनतम अवधि 3 साल होगी। महिला शोधार्थियों को 240 दिन का मातृत्व अवकाश को पानता होगा। वि.वि. की डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल ने पीएचडी थीसिस तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण विवरण से शोधार्थियों, निष्कर्ष तथा संबंधी प्रश्नवाली एवं संदर्भ सूची तैयार करने के बारे में बारीकी से सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी।

गर्ल्स कॉलेज में भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिये वाद विवाद स्पर्धा

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। शासकीय डॉ. वा. पाटवकर कन्या शासकीय महाविद्यालय में फेरो स्कैन निगम सिमिटेड, निगमन कार्यालय भिलाई द्वारा सतक जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत "भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण, प्रकृत संभार को भागीदारी से संभव है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी एवं विधायक अतिथि पंकज लाल, मंत्रालय के फेरो स्कैन निगम लिमिटेड, प्रभुकर सिंह उन्डु, उपमहाप्रबंधक फेरो स्कैन निगम लिमिटेड अरुण सावत व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिये जनसहयोग

फेरो स्कैन निगम लिमिटेड

सतक जागरूकता सप्ताह-2023

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी एवं विधायक अतिथि पंकज लाल, मंत्रालय के फेरो स्कैन निगम लिमिटेड, प्रभुकर सिंह उन्डु, उपमहाप्रबंधक फेरो स्कैन निगम लिमिटेड अरुण सावत व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिये जनसहयोग

गैस सिलिंडरों पर पांच सौ रूपए सब्सिडी की राशि महिलाओं के खातों में जमा होगी : संगीता

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। हमारी पार्टी चुनाव जीतने के बाद प्रदेश में फिर से सरकार बनने पर अपने वादी को पूरी करोगे। प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने पर पहले को सरकार किआर का कर्म माफ होगा, के सी भी पीजी तक निःशुल्क मिलेगी। मिडिकल, मेडिकल और इन्जीनियरिंग भी।

सर्वोत्कृष्ट साईं संचारी बालर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 59 के अधिष्ठाता प्रत्याशी संगीता सिन्हा ने



जनसंपर्क के दौरान कही अधिष्ठाता प्रत्याशी संगीता सिन्हा ने कंबर, देवकर्त सखित दुर्गों ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाक़ात की।

उन्होंने ग्रामवासियों को कांग्रेस सरकार को 5 साल की उपलब्धियों बताने के साथ ही इस चुनाव के लिए पार्टी द्वारा की गई घोषणाओं से अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गैस सिलिंडरों पर 500 रूपए प्रति सिलिंडर सब्सिडी महिलाओं के खातों में जमा होगी। 2000 युटिड तक बिजली मुफ्त व 17.5 लाख प्रतिवर्ष की कृषि का अनुदान प्रदाता। उन्होंने बताया कि वैट्टुपुत्रा योजनाओं को 4 हजार >>> **शेख पृष्ठ 9 पर**

किसान जमीन बेचकर बच्चों को कोचिंग करवाते हैं, हमारी सरकार बनी तो दलाली प्रथा चलने नहीं देंगे : राकेश यादव

मुहूर, 4 नवंबर (देशबन्धु)। कांसों की सरकार पर अनेक शरय को बोलवाया रहा। शरय बंदी का बूटा बाद किआर या। लोकिक कुछ कर्म राई को गिरोगी काल कर्म में हमारी दुःखन खुली रही। जब भाजपा की सरकार थी, तो हमने शरय दुःखनों का सरकारीकरण किया था। यह भी सांविने नहीं होते थे लेकिन आज कोचिंगों की बहू आ गई।

उपरोक्त बतों भाजपा के अधिष्ठाता



प्रत्याशी राकेश यादव ने अपने विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान कही। राकेश यादव प्राप्त अकार, हसल, छोटोपार

पारो, नोहरा, भिर्द, देवकोट कंबर, पेंडरवाली जैसे अन्य गांव में जनसंपर्क करने पहुंचे थे। प्रत्येकी परेशा बालर ने क्षेत्र वासियों से अनेकी किआर कि आमर आप बड़े विचारक बनने की हिस्से भी गांव में अनेक शरय नहीं किआर देगा। चुनाव लड़ने वाले भी भोज में भंगे सारो। एक एक बालर ने इस महिलाओं को दिखा दिया कि कैसे लिये गए सूत्र दुदने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन आज लोगों के >>> **शेख पृष्ठ 9 पर**

शिक्षण संस्थाओं ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं ने की शत-प्रतिशत प्रतिक्रिया की अपील

दुर्ग, 4 नवंबर (देशबन्धु)। नगर की शिक्षा संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने अलग अलग कार्यक्रम कर आम नागरिकों में विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित किया। आज हेमचंद्र विश्वविद्यालय के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अलावा डॉ. पाटवकर कन्या महाविद्यालय को छात्राओं ने भी मतदान जागरूकता अभियान चलाने आम नागरिकों को मतदान करने को लेकर जानकारी दी।

हेमचंद्र विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों को कार्यक्रम में भागीदारी भी सुनिश्चित की गई। इसके अंतर्गत आज एमएसएस इकाई द्वारा नये मतदाताओं तथा कर्मचारियों, अधिकांशों को छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में मतदान पर केंद्रित दूरदर्शन कार्यक्रम चलाया गया, तुकड़ नाटक तथा छात्रों को का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के

एमएसएस समन्वयक, डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरुणा पाल ने चुनाव में शत प्रतिशत छात्रों पर लिखे गये विश्वनासना वाली छात्र-छात्राओं को रक्षा की निम्निका किया। कुलपति, डॉ. पलटा ने समस्त उपस्थित छात्रों को शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया। कोर्सर्स, भूपेन्द्र कुलकर्णी ने राष्ट्रीय एकता को बचाव दिलवायी। डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने बताया कि आज के इस मतदान जागरूकता कार्यक्रम में जूए पीतार्ड के विश्विन्न महाविद्यालयों के परामर्शकार अधिकांरी, एमएसएस स्वयंसेवक तथा जिला सोनरस सहित लाम्हा 5 सी से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं। विश्विन्न महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय एकता प्रदर्शन किया गया। "मैरी माय मैरी" अभियान के अंतर्गत विश्विन्न ग्रामों, महल्लों एवं घरों से एकत्रित की गई पत्रिकाओं को विश्विन्न कर्णों के माध्यम से कुलपति, डॉ. पलटा को भेंट किया



कार्यक्रम के आरंभ में एमएसएस समन्वयक, डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने मतदान प्रक्रिया को अंतर्गत महत्वपूर्ण बताते हुए इसे लोकतंत्र का लौरीकरण निरूपित किया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय भिर्दाई, स्वरूपनगर महाविद्यालय, भिलाई, शासकीय महाविद्यालय वैशालीनगर, कल्याण कालेंड, भिलाई, भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई, शासकीय डॉ. वाय.टी. कलेंड, दुर्ग के एमएसएस

के स्वयंसेवकों द्वारा प्रदर्शित किये गये दो तुकड़ नाटकों में छात्रों को मतदान के का संदेश दिया गया। मुलाओं एवं युवती के माध्यम से भी मतदाता जागरूकता फैलाने का प्रयास प्रयास किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव भूपेन्द्र कुलकर्णी, अधिष्ठाता छत्र कल्याण, डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल, क्रोडा संचारक, डॉ. दिनेश नादेव, उरकसुवायवर्ग, डॉ. अरुणा पलटा, राकेश चौहान, विश्व अधिकांरी सुशील गजपति, सहयाय कुलसचिव, डॉ. सुमति अग्रवाल, दिमायु शेखर मंडवी, दिव्यव कुमार एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन बिला सोरकल, लोना साहू ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में कुलपति एवं अन्य अतिथियों का स्वागत प्रयास किया गया एवं शरय बंदी कर किया गया।

राजोली के माध्यम से संदेश : शासकीय डॉ. वा.वा. पाटवकर कुमार एवं समस्त कर्मचारी ने स्वयं गतिविधियों के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वयं प्रभावी डॉ. विश्व कुमार वासिन्त के बताया कि राजोली के माध्यम से छात्राओं ने भी मतदान को शत-प्रतिशत मतदान को अपील की बहू देखा है। डॉ. इस अवसर पर कुलसचिव भूपेन्द्र कुलकर्णी ने छात्राओं ने भी मतदान नहीं। सभी छात्राओं ने राजोली पर मतदान के लिए प्रेरित करने वाले संदेशों को लिखा था और उसे आकाशक से प्रसारित किया गया। छात्राओं ने राजोली में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन को अपील की है। राजोली के निर्वाचन में अपने नाताधरक का प्रयोग करने का संदेश प्रसारित किया। राजोली प्रतिभागियों को कु. शिक्षा निदेशक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कु. चयन के निर्णय स्थापन एवं कु. सोमन ने दुर्गोत्तम स्थान प्राप्त किया तथा पी.एस.एम. प्रथम वर्ष कु. कांतिना को सॉलनवा पुस्करा प्राप्त हुआ।

